राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

यूपी में पूरब से पश्चिम तक भीषण गर्मी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पूरब से लेकर पश्चिम तक भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। सोमवार को बुंदेलखंड, आगरा मंडल और दिल्ली एनसीआर के जिले प्रचंड गर्मी के साथ लू की चपेट में रहे। झांसी और आगरा में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया।

मौसम विभाग ने यूपी के आगरा, झांसी, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर में भीषण गर्मी के साथ लू चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं दक्षिणी व पश्चिमी यूपी के लगभग 14 जिलों में रातें सामान्य से ज्यादा गर्म रहेंगी और वार्म नाईट का प्रकोप रहेगा। साथ ही पश्चिमी यूपी और एनसीआर के लगभग 25 जिलों के लिए लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया है।

वर्ष – 03 | अंक – 290 | जौनपुर | मंगलवार, 10 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मध्य रेलवे को लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाने चाहिए – पवार

महाराष्ट्र, एजेंसी। राकांपा (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने लोकल ट्रेन से गिरकर यात्रियों की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए सोमवार को मध्य रेलवे प्रशासन से अपील की कि वह भीड़भाड़ को देखते हुए लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाने जैसे उपाय लागू करे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक चलती ट्रेन से गिरकर कम से कम चार यात्रियों की जान चली गई और छह यात्री घायल हो गए। दुर्घटना दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच उस वक्त हुई जब यात्रियों से भरी ट्रेन कसारा जा रही थी। घटना संभवतः भीड़भाड़ वाली दो ट्रेनों के पायदान से लटके यात्रियों और उनके बैग के एक–दूसरे से टकराने के कारण हुई क्योंकि ट्रेनें विपरीत दिशाओं से गुजर रही थीं। पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''मध्य रेलवे को समयसारणी अच्छी तरह से बनानी चाहिए और उसी के अनुसार महत्वपूर्ण मार्गों पर लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ानी चाहिए। यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय तुरंत लागू किए जाने चाहिए। ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाने का निर्णय तय समय पर लागू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''कुछ यात्रियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनके स्वास्थ्य में जल्द ही सुधार हो।'' महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य रेलवे नेटवर्क पर हर दिन औसतन छह से सात यात्रियों की लोकल ट्रेनों से गिरकर मौत हो जाती है।

बिहार के चुनावी रण में उतरने की तैयारी में आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेगी। इसके अलावा पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले अरविंद केजरीवाल की अगुआई वाली पार्टी राज्य में अपनी शुरुआत करने के लिए जमीन तैयार कर रही है। हालाँकि, पार्टी, जिसने हाल ही में संसद के विशेष सत्र की मांग के लिए 16 अन्य इंडिया ब्लॉक घटकों के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक अलग पत्र भेजा, ने आरजेडी, कांग्रेस और वाम दलों के महागठबंधन में शामिल न होने का फैसला किया है। आम आदमी पार्टी राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठित करने और मतदाताओं तक दिल्ली विकास मॉडल पहुँचाने के लिए बिहार में भी केजरीवाल अभियान चला रही है।

50 हजार छोटे किसानों को 1000 करोड़ का ऋण, गांवों में रोजगार के खुले नए द्वार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि विकास और रोजगार सृजन की दिशा में बड़े पैमाने पर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने बीते चार वर्ष में 50 हजार से अधिक लघु और सीमांत किसानों को एक हजार करोड़ रुपए से अधिक का दीर्घकालीन ऋण वितरित किया है। यह ऋण न केवल किसानों की कृषि गतिविधियों को गति देने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि रोजगार सृजन और पूंजी निर्माण का भी मजबूत आधार बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने हरित क्रांति के नए अध्याय की शुरुआत की है। किसानों को दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराकर खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

यह ऋण किसानों के लिए खेती के साथ–साथ कृषि आधारित स्वरोजगार की योजनाओं में भी मददगार साबित हो रहा है। योगी सरकार की नीतियों के चलते अब किसानों को साहूकारों और सूदखोरों के शोषण से मुक्ति मिल रही है। राज्य सरकार की ऋण योजनाएं पारदर्शी और लाभकारी हैं, जिससे किसानों का भरोसा संस्थागत वित्तीय व्यवस्थाओं पर बढ़ा है।

राहुल गांधी को पार्टी चलाना, चुनाव लड़ना नहीं आता – मनोहर

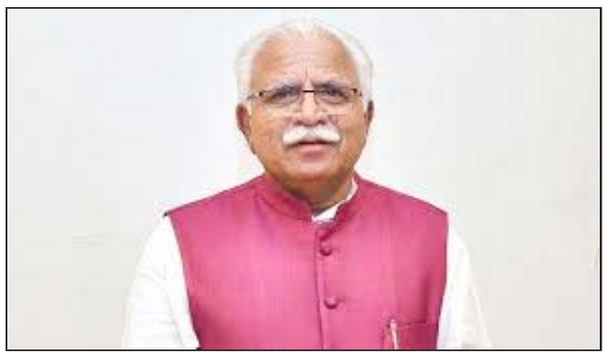

हरियाणा, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को करनाल लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों को समर्पित एक कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य विकसित भारत का अमृत काल विषय के तहत सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की दिशा में मोदी सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाना था। मनोहर लाल ने देश के विकास में भाजपा सरकार की भूमिका पर प्रकाश डाला और पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों के लिए संगठित प्रयास करने का आह्वान किया। जब मीडिया ने राहुल गांधी द्वारा भाजपा और चुनाव आयोग पर महाराष्ट्र चुनाव में धांधली के आरोपों से जुड़े सवाल पूछे, तो केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नाच न जाने आंगन टेढ़ा वाली कहावत राहुल गांधी पर पूरी तरह फिट बैठती है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी को न तो काम करना आता है, न ही उन्हें यह समझ है कि पार्टियां कैसे चलाई जाती हैं, चुनाव कैसे लड़े जाते हैं और लोगों को अपने साथ कैसे जोड़ा जाता है। उनके पास कोई ठोस कार्यक्रम नहीं है। और जब उन्हें कुछ हासिल नहीं होता, तो वह अपनी थाली छोड़कर दूसरों की थाली में झांकना शुरू कर देते हैं। केंद्रीय मंत्री ने इसे राहुल गांधी की दयनीय सोच बताते हुए कहा कि वह बिना किसी तथ्य के बेबुनियाद आरोप लगाने की राजनीति कर रहे हैं, जिसका जनता पर अब कोई प्रभाव नहीं पड़ता। मनोहर लाल ने कांग्रेस पार्टी की आंतरिक स्थिति पर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी द्वारा पार्टी के भीतर तीन घोड़ों की बात कहे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को घोड़ों की पहचान ही नहीं है, वह घोड़ों पर टिप्पणी करने योग्य नहीं है। राहुल गांधी अपने ही कार्यकर्ताओं को तुच्छ शब्दों में संबोधित करते हैं।

हिमाचल के ऊना में विकसित भारत का अमृत काल पर कार्यशाला – अनुराग ठाकुर

ऊना, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिला कार्यालय दीप कमल में भाजपा ने रविवार को शविकसित भारत का अमृत काल – सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के 11 वर्षश विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। हमीरपुर से लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। कार्यशाला में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम् गीत से हुई। भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम मिन्हास ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार के बीते 11 वर्षों में समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है और यह सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की असली भावना को दर्शाता है। मुख्य वक्ता के रूप में अनुराग ठाकुर ने मोदी सरकार की प्रमुख योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने आम जनमानस के जीवन को सरल और सुलभ बनाया है। उन्होंने बताया कि कैसे मोदी सरकार ने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाया और शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक हर क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार किए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को लेकर की गई उनकी टिप्पणी बेहद आपत्तिजनक है। कुछ लोग लगातार अनर्गल बयानबाजी करके मीडिया में खुद को बनाए रखना चाहते हैं। राहुल गांधी का बर्ताव न केवल गैर –जिम्मेदाराना है, बल्कि यह पाकिस्तान के एजेंडे को आगे बढ़ाने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता अब आतंकवादियों से भारत के सांसदों की तुलना कर रहे हैं, जो देश की गरिमा और सेना के सम्मान के खिलाफ है। कांग्रेस की आदत रही है कि चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थानों को बदनाम किया जाता है और चुनाव जीतने पर उन्हें भुला दिया जाता है।

दिल्ली के लिए 24,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार ने राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में यातायात सुगमता और प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य से 24,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में महिपालपुर के शिव मूर्ति क्षेत्र (द्वारका एक्सप्रेसवे) से नेल्सन मंडेला रोड (वसंत कुंज) तक पांच किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण भी शामिल है। गुप्ता ने कहा कि यह सुरंग राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा लगभग 3,500 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जाएगी। इन परियोजनाओं को हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ हुई बैठक में स्वीकृति मिली है। गुप्ता के अनुसार, यह परियोजना अगले वर्ष की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है। इसमें दो भूमिगत सुरंग बनाई जाएगी जिनमें प्रत्येक में तीन लेन होंगी, यानी कुल छह लेनों की यह सुरंग दक्षिण दिल्ली को द्वारका और गुरुग्राम से जोड़ने के लिए एक सिग्नल–फ्री वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगी। गुप्ता ने बताया कि सुरंग को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा जिसमें इलेक्ट्रो–मैकेनिकल सिस्टम, वेंटिलेशन, अग्निशमन व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, नियंत्रण कक्ष, आपातकालीन निकासी मार्ग शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीतिक संस्कृति को बदला – नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार द्वारा किए गए कार्यों को 'स्वर्ण अक्षरों' में लिखा जाना चाहिए। यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया और एक जिम्मेदार और जवाबदेह सरकार प्रदान करके सुशासन की राजनीति शुरू की, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संप्रग सरकार 'भ्रष्टाचार, घोटाले और तुष्टीकरण' की राजनीति के लिए जानी जाती थी। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा किए गए कार्य असाधारण हैं और उन्हें स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक उत्तरदायी और मजबूत सरकार प्रदान की। नड्डा ने मोदी सरकार द्वारा लिए गए साहसिक निर्णयों में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना, तीन तलाक को खत्म करना, वक्फ संशोधन, नोटबंदी, महिला आरक्षण विधेयक का हवाला दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 9 जून 2024 को तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। मोदी सरकार सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल की पहली और कुल मिलाकर 11वीं वर्षगांठ मना रही है।

आज भारत का रोड इंफ्रास्ट्रक्चर अमेरिका से बेहतर – नितिन गडकरी

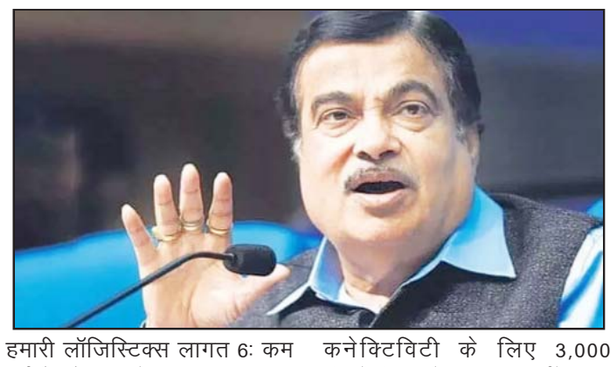

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि भारत विश्व गुरु बने, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने। इस सपने को पूरा करने के लिए हमें निर्यात बढ़ाना होगा, तभी कृषि, सेवा और औद्योगिक क्षेत्रों में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि हमारी सबसे बड़ी समस्या यह थी कि हमारे देश की लॉजिस्टिक्स लागत 16: थी, चीन 8: पर था, अमेरिका और अन्य यूरोपीय देश 12: पर थे। गडकरी ने दावा किया कि अब हमने जिस तरह की सड़कें बनाई हैं, उससे हमारी लॉजिस्टिक्स लागत 6: कम हुई है और अगले साल तक हम 9: पर आ जाएंगे... हमारा निर्यात बढ़ेगा, हम और अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे और हमारा देश विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने कहा कि हम 25 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे बना रहे हैं, पोर्ट कनेक्टिविटी के लिए 3,000 किलोमीटर से ज्यादा हाईवे बना रहे हैं और धार्मिक पर्यटन के लिए हमने 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के हाईवे बनाए हैं और इसके अलावा हम 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के हाईवे बना रहे हैं। हमने 22,000 करोड़ रुपये में बुद्ध सर्किट तैयार किया है। जब लोग दक्षिण एशिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन, सिंगापुर, जापान से भगवान गौतम बुद्ध की जन्मस्थली पर आते हैं, तो वे कई जगहों पर जाना चाहते हैं और पर्यटन भी बढ़ा है। भाजपा नेता ने कहा कि चार धाम–बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, इसका ट्रैफिक तीन गुना बढ़ गया है। अब हम केदारनाथ तक रोपवे बना रहे हैं, यह भी 12,000 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि आज अगर आप मनाली से रोहतांग दर्रे की ओर निकलेंगे तो अटल टनल से 8 मिनट में पहुंचा जा सकेगा, जबकि पहले 3.5 घंटे लगते थे।

2025 पर बात करना छोड़, 2047 के सपने बेच रही है सरकार - राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के सत्ता में 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि सरकार का पूरा ध्यान गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने और सभी के लिए विकास करने पर रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने इसको लेकर एक्स पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि जब मोदी सरकार 11 साल की "सेवा" का जश्न मना रही है, तब देश की हकीकत मुंबई से आ रही दर्दनाक खबर में दिखती है – ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि भारतीय रेल करोड़ों की जिंदगी की रीढ़ है, लेकिन आज असुरक्षा, भीड़ और अव्यवस्था की प्रतीक बन चुकी है। मोदी सरकार के 11 साल = न जवाबदेही, न बदलाव, सिर्फ प्रचार। सरकार 2025 पर बात करना छोड़, अब 2047 के सपने बेच रही है। उन्होंने कहा कि देश आज क्या झेल रहा है, ये कौन देखेगा? मैं मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। दरअसल, महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार की सुबह भीड़ वाली एक चलती ट्रेन से गिरकर कम से कम चार यात्रियों की जान चली गई। यहां पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हादसे में छह यात्री घायल हो गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि घटना दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच उस वक्त हुई जब यात्रियों से भरी ट्रेन कसारा जा रही थी। रेलवे अधिकारियों ने मृतकों की संख्या की पुष्टि किए बिना बताया कि घटना संभवतः भीड़भाड़ वाली दो ट्रेनों के पायदान से लटके यात्रियों और उनके बैग के एक–दूसरे से टकराने के कारण हुई क्योंकि ट्रेनें विपरीत दिशाओं से गुजर रही थीं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने घटना पर दुख व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि पीड़ितों और उनके परिवारों की सहायता के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

हमारी चुनौती का जवाब मोदी हैं, नड्डा नहीं – कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि एक दिन पहले पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने कार्यकाल पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सवालों का जवाब देने की चुनौती दी थी, लेकिन आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा को 11 साल की उपलब्धियों का लेखा–जोखा पेश करने को प्रेस के सामने लाया जा रहा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि जब चुनौती मोदी के लिए थी तो नड्डा को प्रेस के सवालों का जवाब देने और 11 साल की उपलब्धियां गिनाने क्यों भेजा जा रहा है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि क्या सवाल करने वाले अनुकूल चेहरे अब तक नहीं मिले हैं। कल हमने प्रधानमंत्री को उनकी सत्ता में 11 साल पूरे होने के मौके पर पहली बार एक अनस्क्रिप्टेड और बिना पूर्व–निर्धारित सवाल–जवाब वाला प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की खुली चुनौती दी थी, लेकिन भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, आज सामने आएंगे, जिन्हें दोपहर 12 बजे प्रेस से बात करने के लिए भेजा गया है, ताकि इन 11 वर्षों की 'उपलब्धियों' का ढोल पीटा जा सके। कांग्रेस प्रवक्ता ने चुटकी लेते हुए कहा, "तो फिर प्रधानमंत्री अब भी क्यों परहेज कर रहे हैं। क्या अभी भी सवाल–जवाब रटने में समय लग रहा है।

संपादकीय

अकेले तिरंगा लहराते मोदी

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। मैतेई कट्टरपंथी संगठन अरम्बाई टेंगोल के नेता की कथित गिरफ्तारी के बाद इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में व्यापक विरोध प्रदर्शन होने लगा, जिसका असर इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों इन पांच जिलों पर खास तौर से देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने नेता की रिहाई की मांग करते हुए क्वाकीथेल और उरीपोक में सड़क के बीचों–बीच टायर और पुराने फर्नीचर जलाए, वहीं इंफाल पूर्व जिले के खुरई लामलोंग में एक बस में आग लगा दी। क्वाकीथेल में कई गोलियों की आवाजें सुनी गईं लेकिन यह पता नहीं चल पाया कि गोलियां किसने चलाईं। खबर फैली कि गिरफ्तार नेता को राज्य से बाहर ले जाया जा सकता है तो प्रदर्शनकारियों ने तुलीहाल में इंफाल हवाई अड्डे के द्वार का घेराव भी किया और सड़क के बीच में सो गए। ये सारा हाल जाहिर करता है कि विरोध प्रदर्शन और कितना बढ़ सकता है। इसके बाद एहतियातन प्रशासन ने इन पांच जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को पांच दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाओं को भड़काने वाले चित्र, अभद्र भाषा और घृणास्पद वीडियो संदेशों के प्रसारण के लिए सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर उपयोग कर सकते हैं, जिससे मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है।

प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी तो निभाई है, लेकिन जिस कानून और व्यवस्था का हवाला देकर फिर से इंटरनेट सेवाएं बंद की गई हैं, क्या उसका कोई नामलेवा अभी राज्य में बचा है, यह सवाल अब सीधे केंद्र सरकार से किया जाना चाहिए। पिछले 2 सालों से मणिपुर अशांत बना हुआ है। मई 2023 में भड़की हिंसा की चपेट में पूरा राज्य आ गया, और हत्या, लूटपाट, आगजनी की असंख्य घटनाओं के बीच दो युवतियों के साथ बलात्कार और नग्न परेड जैसी अमानवीय, नृशंस घटनाएं भी हुईं। जिसकी गूंज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठी। ऐसी भयावह परिस्थिति किसी सैन्य शासन या तानाशाही वाले देश या किसी युद्धग्रस्त देश में घटती तो यह सवाल नहीं उठता कि सरकार क्या कर रही है। हमने पाकिस्तान, अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर मध्य एशिया या अफ्रीका के कई कमजोर देशों में इस तरह की घटनाओं को होते देखा है, क्योंकि वहां लोकतंत्र नहीं है या अगर है तो उसे कमजोर कर दिया गया है। इसके बाद यही गनीमत लगती है कि भारत में लोकतंत्र बना हुआ है, जिसमें आम जनता रोजमर्रा की परेशानियों से भले जूझे, लेकिन इस तरह के अतिरेक से बची रहती है। किंतु दो सालों से मणिपुर के हाल देखकर सवाल उठता है कि क्या वाकई लोकतंत्र के रास्ते पर देश चल रहा है या केवल दिखावा हो रहा है। दो साल हो गए लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अब तक एक बार भी मणिपुर नहीं गए, संसद में भी उन्होंने इस राज्य के हालात पर तभी बयान दिया जब विपक्ष ने अपना दबाव बनाया और सुप्रीम कोर्ट को भी दखल देना पड़ा। इस बीच मणिपुर में बड़ी मुश्किल से मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया और 100 से अधिक दिनों से अब वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। हालांकि इस बीच भाजपा की तरफ से सरकार बनाने के दावे पेश किए जाते रहे हैं। लेकिन शायद विधायकों को केंद्र की भाजपा से हरी झंडी नहीं मिल रही।

युद्धों से यारी के निहितार्थ

अरुण

युद्ध में जीत की लालसा, राष्ट्रीय संप्रभुता का अहंकार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की चाहत हमें उस मुकाम तक ले आयी है, जहां हम जीत के लिए परमाणु बम की धमकी तक देने तैयार हैं और हार को झूठ के गुब्बारों से सजाकर जीत दिखाना चाहते हैं। लगता है, युद्ध एक स्थायी भाव है और युद्धविराम एक संचारी भाव।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए युद्धविराम और शांति व्यापार करने का एक अवसर है और युद्ध हथियार बेचने, अमेरिका को महान बनाने और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की रणनीति का। चार दिन चले आपरेशन सिंदूर का वैसे तो युद्धविराम हो चुका है, लेकिन उसका शांतिपर्व नहीं आया है। जिस तरह से दोनों ओर से युद्ध जीतने के दावे किए जा रहे हैं उससे तो नहीं लगता कि यह जल्दी आने वाला है, पर सवाल है कि पत्रकार, राजनेता, अधिकारी और पूरे समाज पर युद्धोन्माद का आख्यान आखिर इस तरह हावी क्यों है? जबकि पूर्व थलसेनाध्यक्ष जनरल नरवाणे कह चुके हैं कि युद्ध बालीवुड की फिल्म नहीं है, उसे आखिरी विकल्प के तौर पर ही रखना चाहिए। युद्ध का मौजूदा आख्यान पड़ौसी देश के विरुद्ध ही नहीं है, बल्कि उन नागरिकों, दलों और राजनेताओं के प्रति भी है जो सत्तापक्ष और सरकार से सवाल करते हैं। अगर कोई राजनेता या सैनिक अधिकारी सच बोलने का साहस दिखाता है तो उस पर लोग ऐसे टूट पड़ते हैं जैसे कि वह देशद्रोही या गद्दार हो या राष्ट्रहित को चोट पहुंचाने वाली विवेकहीनता का प्रदर्शन कर रहा हो। हमारे श्चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफश (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में जेट विमानों को क्षति पहुंचने की बात क्या स्वीकारी कि राजनयिक और रक्षा विशेषज्ञ उन पर टूट पड़े। लोग कह रहे हैं कि उन्होंने एक कार्यनीतिक चूक स्वीकार करके पाकिस्तान की जीत के आख्यान को बढ़त का मौका दे दिया है, जबकि उन्होंने इस पूरे युद्ध पर एक विवेकपूर्ण टिप्पणी करते हुए यह भी कहा था कि दोनों ओर के सैनिक अधिकारियों में इतना विवेक था कि उन्होंने इस टकराव को नाभिकीय युद्ध तक नहीं जाने दिया। युद्ध में जीत की लालसा, राष्ट्रीय संप्रभुता का अहंकार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की चाहत हमें उस मुकाम तक ले आयी है, जहां हम जीत के लिए परमाणु बम की धमकी तक देने तैयार हैं और हार को झूठ के गुब्बारों से सजाकर जीत दिखाना चाहते हैं। लगता है, युद्ध एक स्थायी भाव है और युद्धविराम एक संचारी भाव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए युद्धविराम और शांति व्यापार करने का एक अवसर है और युद्ध हथियार बेचने, अमेरिका को महान बनाने और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की रणनीति का। जो स्थिति भारतीय उपमहाद्वीप में बनी है वह कमोवेश पूरी दुनिया में निर्मित हो रही है। भारत के मुख्यधारा के मीडिया पर जिस तरह से सेना के युद्धोन्मादी सेवानिवृत्त अफसरों के ढपोर शंखी बयानों और वक्तव्यों की बाढ़ आई हुई है उतना तो शायद दुनिया के किसी देश में नहीं है। रूस–यूक्रेन युद्ध या इजराइल–फिलस्तीन युद्ध ने तथाकथित सभ्य देशों को असभ्य देश के रूप में तब्दील कर दिया है और नहीं लगता कि उनके पास मौजूदा स्थिति का कोई समाधान है। विडंबना है कि भारतीय उपमहाद्वीप में इस दौरान शांति का स्वर हाशिए पर ठेल दिया गया है। युद्ध के शुरू होते ही मैग्सैसे पुरस्कार विजेता संदीप पांडेय और मेधा पाटकर ने युद्धविराम की अपील की थी, लेकिन उनके बयानों को कितना महत्त्व दिया गया, कहा नहीं जा सकता। आज इस उपमहाद्वीप में जिस प्रकार से चीन और पाकिस्तान की ओर से भारत पर युद्ध थोपने की भविष्यवाणी की जा रही है, रणनीतिक और राजनयिक रूप से भारत जिस तरह से अलग–थलग पड़ता दिख रहा है वह सब एक भयावह परिदृश्य उपस्थित करता है। इससे निपटने का एक तरीका तो यह है कि लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं में कटौती करते हुए निरंतर हथियार जमा किए जाएं, उनको टेक्नोलॉजी के लिहाज से उन्नत करते रहा जाए और भारत जैसी विशाल आबादी को सैन्य प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया जाए। दूसरा तरीका है कि इस उपमहाद्वीप से लेकर दुनिया के दूसरे हिस्सों तक शांति का वह अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाया जाए जिसकी कल्पना रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग, लियो टालस्टाय, विनोबा, थोरो, क्रोपाटकिन और डेस्मांड टूटू जैसे विचारकों ने की थी। दूसरा रास्ता अधिक श्रेष्ठ और टिकाऊ है और उसकी चर्चा उसी तरह होनी चाहिए जिस तरह भीष्म ने शांतिपर्व में की थी। रवींद्रनाथ टैगोर ने गीतांजलि के अलावा स्वर्ग का गीत जैसी कविताओं में हार की गरिमा का वर्णन किया है।

ट्रंप ने हमारे नेतृत्व को कमजोर बताया

शकील

दुनिया भर में हमें अपनी छवि सुधारने के लिए कई प्रतिनिधि मंडल भेजना पड़े। मगर क्या हुआ? उसके बाद भी ट्रंप यह कह रहे हैं। वाशिंगटन पोस्ट जो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अखबारों में से है ऐसी रिपोर्ट छापता है जिससे भारत की छवि खराब होती है। इस गोदी मीडिया की तो क्या होना? इसकी तो अब कोई बची नहीं है। इसके मालिक ही पूछते हैं कि वह खबर सच्ची थी? यह अभी तक का डोनाल्ड ट्रंप का सबसे बड़ा हमला है! प्रकारातंर में यह हमारे नेतृत्व को कमजोर बताना है। जब गांव में वोट मांगने जाते हैं तो वह यह नहीं कहता कि आप सही नहीं हैं। वह कहता हैं– वे बहुत अच्छे हैं! पूरी दुनिया में यही माहौल बन गया है। कोई पाकिस्तान का समर्थन नहीं कर रहा। उसके नेतृत्व को मजबूत और भरोसे लायक नहीं बता रहा हमारे नेतृत्व को कमजोर और आत्ममुग्ध बता रहा है। देश की यह हालत कभी नहीं रही। लेकिन इस पर भी न प्रधानमंत्री मोदी और न ही गोदी मीडिया समझने को तैयार हैं। मोदी अपनी छवि को ऊपर रख रहे हैं। जो अब इतनी कमजोर हो गई है कि कोई भी ब्रांडिंग उसे वापस मजबूत नहीं कर सकती। वापसी के लिए इन्दिरा गांधी जैसा आत्मबल होना चाहिए। 1977 के बाद सबने उन्हें खतम कहानी मान लिया था। मगर उन्होंने फिर वापसी की। आधार खोखला नहीं होना चाहिए। नहीं तो वह बूमरैंग (पलटवार) करता है। 56 इंच की छाती, लाल आंख वालों का सबसे बड़ा आधार गोदी मीडिया था। और उसने ही अब सबसे ज्यादा बेइज्जती करवाई है। अगर मोदी को वापस अपनी अन्तरराष्ट्रीय छवि में कुछ इजाफा करना है तो उन्हें इन गोदी मीडिया के महारथियों को लाइन अप करना चाहिए। जो भी कानून सम्मत कड़ी सजा होती है वह देना चाहिए। नहीं तो दुनिया में चाहे जितने प्रतिनिधिमंडल भेज लें बिगड़ी छवि सुधरने वाली नहीं है। वाशिंगटन पोस्ट में उसके झूठ का लेखाजोखा छपने के बाद वह बहुत दबाव में है। और अंदर से खोखले लोग दबाव पड़ने पर और ज्यादा मूर्खता का इजहार करते हैं। वे प्रधानमंत्री का कोई और बड़ा रूप बनाकर पेश कर सकते हैं। जिससे जगहंसाई हो। याद रहे वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट आने के बाद ही ट्रंप ने पाकिस्तान की लीडरशिप को ग्रेट और स्ट्रांग कहा। इसका मतलब अगर आपकी भी होती तो 9 मई के बाद जब गोदी मीडिया की हंड्रेड परसेन्ट झूठी खबरों ने सच का जनाजा निकाल दिया था प्रधानमंत्री मोदी इन मीडिया वालों को अंदर कर चुके होते। भारत की सेना जीत रही थी। उसका अपर हैंड (बढ़त) था। ऐसे में सच्ची खबरें ही उसका शौर्य बताने के लिए पर्याप्त थीं। मगर उसने ऐसे ऐसे झूठ चलाए जिनका कोई सिर–पैर ही नहीं था। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष गिरफ्तार, तख्तापलट की तैयारी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने आत्मसमर्मण किया। गप्प की भारी होड़ थी दूसरे चौनल ने कहा बंकर में छुपे हुए हैं। एक वहां के सारे बड़े शहर कब्जे में, प्रमुख शहरों को नष्ट कर दिया। यह सब हम वाशिंगटन पोस्ट द्वारा तथ्यात्मक रूप से तैयार की गई 7 जून को प्रकाशित रिपोर्ट से बता रहे हैं। अखबार ने कहा कि इन झूठे दावों के समर्थन में गाजा और सूडान के संघर्षों, फिलाडेल्फिया की एक विमान दुर्घटना और यहां तक कि वीडियो गेम के शाट लेकर भी दिखा दिए गए। बहुत बड़ी रिपोर्ट है। एक एक तथ्य और सबूत के साथ कहा गया है कि भारतीय मीडिया ने यह राक्षसों जैसा काम किया है। और सबसे घटिया काम अपने झूठ का यह कहते हुए बचाव कि हमने कोई काम देश के खिलाफ नहीं किया। अब इन कम जानकार लोगों को कौन समझाए कि इस तरह के एक क्षेत्र में किए झूठे दावे दूसरे क्षेत्र की सेना पर असर डालते हैं। एक सेक्टर में सेना अच्छा काम कर रही होती है मीडिया के जरिए उसे दूसरे क्षेत्र की अफलातूनी खबर मिलती है तो वह गिल्ट में आ जाती है। गलती कर सकती है। देश को नुकसान हो सकता है। हमें विश्वास है कि जब वक्त बदलेगा तो सेना इन्हें अच्छी तरह समझाएगी। हमने शायद बताया हो कि फोर्स से एक ऐसे ही पत्रकार को किस तरह बचाया था। सीमावर्ती क्षेत्र में। और बचाने का मतलब आप समझ गए ना। बच गया! तो यह देश की सेवा नहीं होती देश का नुकसान होता है। इसीलिए ट्रंप कह रहे हैं मेरा कहना किसी को बुरा लग सकता है। बिल्कुल सही है, लग रहा है। यह भारत के खिलाफ जाता दिख रहा है। विदेश में भारत का प्रधानमंत्री मतलब भारत ही होता है। और भारत का नेतृत्व मतलब प्रधानमंत्री कभी कमजोर नहीं रहा। चाहे वह कोई रहा हो। एच डी देवगौड़ा, गुजराल, चन्द्रशेखर कोई भी। और इसका कारण है हर प्रधानमंत्री के पीछे भारत की ताकत होती थी। मगर मोदी ने एक बिल्कुल ही नया काम किया। अपनी छवि देश से ऊपर बनाने का। 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। मतलब 2014 से पहले के भारत को ही खतम कर दिया। अपनी लकीर बड़ी करने के लिए देश की लकीर छोटी करने की कोशिश। ऐसे बहुत उदाहरण हैं। स्थानाभाव के कारण नहीं लिख सकते।

नहीं तो वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के ही और हिस्से भी जिनमें इस गोदी मीडिया की धज्जियां उड़ा दी गई हैं बताते। मगर पाठक पढ़ सकते हैं। हिन्दी में उसका पूरा अनुवाद सोशल मीडिया पर है। पाकिस्तान के शासकों के लिए ट्रंप के इस सर्टिफिकेट से बड़ा कुछ नहीं हो सकता है। और वहां की जनता के लिए हंसने वाली बात। हमारे साथ पाकिस्तान के पूर्व शासकों के कैसे भी संबंध रहे हों मगर सच यह है।

..... विविध .....

नाबालिग बच्चा करे प्यार-मोहब्बत की बातें तो माता-पिता को करना चाहिए यह काम

एक उम्र में आते–आते बच्चों के दिमाग में तमाम तरह के सवाल उठने लगते हैं। खासतौर पर जैसे–जैसे बच्चे टीनएज उम्र की तरफ बढ़ते हैं, वैसे –वैसे उन्हें फिजिकल और मेंटल चेंजेज से होकर गुजरना पड़ता है। ऐसे में वो प्यार की तरफ भी अट्रैक्ट होते हैं। इस दौरान माता–पिता को घबराने या गुस्सा करने की बजाय समझदारी से पेश आना चाहिए। ये उम्र भावनात्मक विकास का एक सामान्य हिस्सा है। इस दौरान पैरेंट्स को जिन बातों के बारे में ध्यान रखना चाहिए, हम आपको यहां उसी बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

शांत रहें और तुरंत रिएक्ट न करें

यदि आपने अपने बच्चे को प्यार–मोहब्बत की बातें करते सुना है तो तुरंत रिएक्ट न करें। पहले अपने बच्चे की बातों को अच्छ तरह से सुनें। बच्चे ने अगर आपसे कुछ शेयर किया है, तो यह विश्वास की निशानी है। यदि आप तुरंत गुस्से में कुछ प्रतिक्रिया देते हैं तो हो सकता है, भविष्य में वो आपसे कभी कुछ साझा न करे।

बनाएं दोस्ती का रिश्ता

यदि आपका बच्चा प्यार–मोहब्बत की बातें कर रहा है, तो उसपर एकदम से बरसने की जगह उससे दोस्ती का रिश्ता बनाएं। जब ये रिश्ता मजबूत हो जाएगा तो आपका बच्चा आपसे खुलकर बात कर सकेगा। दोस्ती होने के बाद आप गलत दिशा में जाने से पहले उसे गाइड कर सकेंगे।

अब करें बात

दोस्ती का रिश्ता बनाने के बाद अपने बच्चे से बात करें। पहले उसकी बात को ध्यान से सुनें। उससे प्यार से पूछें कि वो क्या महसूस कर रहा है। कई बार बच्चों को आकर्षण ही प्यार लगता है। ऐसे में उन्हें आकर्षण और प्यार में फर्क समझाएं। उन्हें प्यार का मतलब समझाएं।

उनकी प्राथमिकता गिनाएं

बात करते–करते उन्हें ये बताएं कि प्यार की एक उम्र होती है और अभी फिलहाल उनके लिए आत्म–सम्मान, पढ़ाई और खुद की सेहत सबसे पहले हैं। इसके साथ–साथ फिजिकल बॉन्डिंग की सीमाएं और इंटरनेट से जुड़ी सावधानियां भी बताएं, ताकि कोई आपके बच्चे का फायदा न उठा सके।

ये काम भूल से भी न करें

यदि आपके बच्चे ने आपके साथ या आपके सामने प्यार मोहब्बत की बातें की हैं, तो उन्हें डाटें नहीं। अक्सर माता–पिता ऐसी बातें सुनकर भड़क जाते हैं, जबकि ऐसा भूल से भी नहीं करना चाहिए। उन्हें प्यार से समझाएं। कभी भी इस मामले के बाद बच्चों की आजादी न छीनें। ऐसा करने पर वो और भी ज्यादा गलत राह पर चलेंगे। बस ध्यान रखें बच्चे का प्यार करना गलत नहीं है, लेकिन उसे सही दिशा देना माता–पिता की जिम्मेदारी है।

ये हैं दुनिया के सबसे ऊंचे झरने, बेमिसाल हैं इनकी खूबसूरती

दुनिया भर की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरते हुए पानी का नजारा काफी खूबसूरत होता है। यह लोगों के मन को सुकून महसूस कराने के साथ ही रोमांच का अनुभव कराता है। दुनिया में कई ऐसे झरने हैं जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उन्हें खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई जितनी चौंकाने वाली है, उनकी सुंदरता उतनी ही सुकूनदायक हैं। गहरी घाटियों, पहाड़ों और हरियाली के बीच से बहते ये झरने प्राकृतिक कला का अद्वितीय उदाहरण हैं। अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं और घूमने का भी शौक रखते हैं तो दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार एक बार जरूर करें। आइए जानते हैं दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में, जिन्हें देखकर हर प्रकृति प्रेमी मंत्रमुग्ध हो जाता है।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर स्थित एक देश है, जहां एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है, जो वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इसकी धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते–पहुंचते बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में इसका नजारा बेहद अद्भुत होता है। टुगेला फॉल्स रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू बेहद खूबसूरत है, जहां थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलता है। यह अमेजन वर्षावनों के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है, इसी कारण इसका नाम थ्री सिस्टर्सष पड़ा। कठिन ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह स्वर्ग समान है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में लगभग 900 मीटर ऊंचाई पर ओलोउपैना फॉल्स है। यह झरना सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और केवल हेलिकॉप्टर या बोट से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

पेरू का ही युंबिका फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है। यह झरना हाल ही में खोजा गया है, और अब धीरे धीरे प्रसिद्ध हो रहा है। यहां से चारों तरफ का नजारा मनमोह लेने वाला होता है।

अगर आप भी बनाती हैं कसकर चोटी तो हो जाइए सावधान, इससे बालों को होता है ये बड़ा नुकसान

गर्मी का मौसम है। इस मौसम में वैसे तो सभी का हाल बेहाल है, लेकिन सबसे ज्यादा परेशानी उन लड़कियों और महिलाओं के सामने नजर आती है, जिनके बाल काफी लंबे हैं। दरअसल, जिन महिलाओं के बाल लंबे होते हैं, गर्मी के मौसम में उन्हें अपने बालों को संभालने में काफी परेशानी होती है। खुले बाल शरीर पर चिपकते हैं, इसलिए महिलाएं घर से लेकर शादी–विवाह तक में बालों को बांध लेती हैं। घर पर तो महिलाएं अपने बालों को काफी ज्यादा टाइट बांध लेती हैं, ताकि ये लंबे समय तक ऐसे ही बने रहें। जबकि बालों को टाइट बांधने से काफी परेशानी होती है। यहां हम आपको इसी बारे में जानकारी देंगे कि बाल यदि आप ज्यादा टाइट बांधेंगी तो इससे आपके बालों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

दिखता है हेयर लाइन पर असर

यदि आप ज्यादा टाइट चोटी बनाती हैं, तो इसका असर हेयर लाइन पर दिखता है। दरअसल, ज्यादा टाइट चोटी से हेयरलाइन यानी माथे के पास के बाल खिंचते रहते हैं। जिससे आगे के बाल धीरे–धीरे कम होने लगते हैं। इसलिए यदि पोनीटेल बनाती हैं तो भी अपने बालों को थोड़ा ढीला ही छोड़ें।

जड़ें होती हैं कमजोर

यदि आप चोटी को ज्यादा टाइट बांधते हैं तो इससे बालों की जड़ें कमजोर होने लगती हैं, जिसके बाद बाल तेजी से झड़ने लगते हैं। कई बार तो बालों की जड़ें इतनी कमजोर हो जाती हैं कि काफी ज्यादा बाल हेयरबैंड के साथ ही निकल जाते हैं।

बढ़ता है सिर दर्द

यदि आप अपनी चोटी को काफी कस कर बांधते हैं तो इससे स्कैल्प को काफी नुकसान पहुंचता है। ये बात ध्यान रखें कि बहुत टाइट चोटी स्कैल्प में दर्द और जलन पैदा कर सकती है। कई बार इस कारण सिर में भारीपन या माइग्रेन जैसे लक्षण भी महसूस हो सकते हैं।

सोते समय तो टाइट चोटी बांधने के नुकसान

रात के समय त्वचा और बाल खुद को हील करते हैं। इसलिए रात में तो अपने बालों को टाइट कभी न बांधें। दरअसल, ज्यादा टाइट चोटी बनाकर सोने से बालों में रगड़ और खिंचाव होता है, जिससे बाल ज्यादा टूटते हैं। इसलिए रात में बालों को खुला छोड़ें।

क्या करें ?

यदि आपके बाल लंबे हैं और आप हर टाइम बालों को खुला नहीं छोड़ सकतीं तो फिर बालों में ढीली चोटी बांधे। स्क्रंची की मदद से आप जूड़ा भी बनाकर सो सकती हैं। यदि चोटी गूंथ रही हैं तो इसे ढीला ही गूंथें, ताकि स्कैल्प पर इसका थोड़ा सा भी असर न पड़े।

क्या न करें

अगर आपके बाल गीले हैं तब तो अपने बालों को टाइट क्या, ढीला भी नहीं बांधना चाहिए।

गीले बालों को बांधने का असर स्कैल्प और बालों पर काफी ज्यादा पड़ता है। इसलिए बाल गीले हों तो बिल्कुल न बांधें।

नफरती भाषण के मामले में सजा के विरुद्ध अब्बास अंसारी की ओर से जिला जज कोर्ट में अपील दाखिल

मऊ, संवाददाता। अब्बास अंसारी की ओर से सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायालय में विधानसभा चुनाव के दौरान नफरती भाषण के मामले में गत 31 मई को सीजेएम द्वारा सुनाई गई सजा के विरुद्ध अपील दाखिल कर सजा पर रोक लगाने का अनुरोध किया। जिला जज सुनील कुमार ने अपील को ऐडमिट कर रजिस्टर में दर्ज करने तथा विपक्षी को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। साथ ही मामले को सुनवाई के लिए विशेष न्यायाधीश एमपीध्एमएलए राजीव कुमार वत्स के न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया। साथ ही सुनवाई के लिए 10 जून की तिथि नियत किया। मामला शहर मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। मामले में अभियोजन के अनुसार एसआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में अपराध संख्या 97/22 धारा 506, 171च भादवि के तहत एफआईआर दर्ज हुई। इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी व अन्य को आरोपी बनाया गया। आरोप था कि 3 मार्च 22 को विधानसभा चुनाव के दौरान सदर विधानसभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने नगर क्षेत्र के पहाड़पुर मैदान में जनसभा के दौरान कहा कि जनपद मऊ के प्रशासन को चुनाव के बाद रोककर हिसाब किताब करने व इसके बाद सबक सिखाने की धमकी मंच से दी गई थी। पुलिस ने विवेचना के बाद धारा 506, 171 एफ,186,189,153 ए, 120 बी भादवि मे सदर विधायक अब्बास अंसारी व उनके भाई उमर अंसारी, इलेक्शन एजेंट गाजीपुर जनपद के पुरानी कचहरी यूसुपुर मुहम्मदाबाद निवासी मंसूर अंसारी के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया था। जिसमें अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए अभियोजन अधिकारी हरेंद्र सिंह ने कुल 6 गवाहों को पेशकर अभियोजन का पक्ष रखा था। सीजेएम ने दोनों पक्षो के तर्कों को सुनने तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपी अब्बास अंसारी और मंसूर अंसारी को दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद अब्बास अंसारी को दो वर्ष की सजा के साथ ही कुल 11 हजार रुपए अर्थदंड लगाया था। सजा के बाद सोमवार को अब्बास अंसारी की ओर से उनके अधिवक्ता दारोगा सिंह ने जिला जज की कोर्ट में अपली दाखिल की गई है।बताते चले कि इस मामले में बीते 31 मई को अब्बास अंसारी को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई गई थी।जिसके अगले दिन विधानसभा सचिवालय से सदर विधानसभा को रिक्त घोषित कर दिया गया था।

वाचमैन ने मजा लेने के लिए दी थी ट्रेनों में बम की फर्जी सूचना

वाराणसी, संवाददाता। काशी और कामायनी एक्सप्रेस में फर्जी बम की सूचना देने के आरोपी को कैंट जीआरपी ने रविवार को कैंट स्टेशन के तीसरे प्रवेश द्वार से गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया। जीआरपी की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने मजा लेने के लिए कंट्रोल रूम में पहले काशी और फिर बाद में कामायनी एक्सप्रेस में बम होने की सूचना दे दी थी। जीआरपी के अनुसार आरोपी के खिलाफ रासुका लगाए जाने की भी तैयारी है। जीआरपी सीओ कुंवर प्रभात सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान जौनपुर के मछलीशहर थाना क्षेत्र के दियाव महादेव गांव निवासी राजेश शुक्ला के रूप में हुई है। मुंबई के हाट शिवान कोलीबारा के प्रतिक्षानगर बिल्डिंग में वॉचमैन का काम करता था। आरोपी के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई होगी। पूछताछ में आरोपी राजेश शुक्ला ने बताया कि वह दो जून को जौनपुर स्टेशन पर पहुंचा तो प्लेटफॉर्म पर कंट्रोल रूम का नंबर लिखा हुआ था। सिर्फ मजा लेने के लिए पहले ट्रेन 15018 काशी एक्सप्रेस और बाद में 11071 कामायनी एक्सप्रेस में बम रखे होने की सूचना कंट्रोल रूम को दे दी। सूचना के बाद जंघई स्टेशन पर दोनों ट्रेनों को लगभग तीन घंटे तक रोक कर तलाशी ली गई थी। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड ने छानबीन की थी।

इससे यात्रियों को काफी असुविधा हुई थी और रेल यातायात प्रभावित हुआ था। चेकिंग के दौरान रेल यात्री दहशत में रहे। सूचना फर्जी पाए जाने पर कैंट जीआरपी में मुकदमा दर्ज किया गया। चौकी प्रभारी जंघई अरुण कुमार मिश्र, भदोही चौकी प्रभारी विनोद कुमार सरोज की टीम ने मोबाइल नंबर के आधार पर मुंबई तक खोजबीन की। सर्विलांस के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

गंगा में डूबने से 159 दिन में 23 की गई जान

वाराणसी, संवाददाता। इस साल एक जनवरी से आठ जून तक यानी 159 दिन में गंगा में स्नान के दौरान डूबने से 23 लोगों की जान चली गई। गंगा उस पार का रेती क्षेत्र और 12 घाटों के किनारे स्नान करना खतरनाक साबित हुआ। सबसे ज्यादा पांच लोगों की मौत गंगा उस पार रेती वाले क्षेत्र में ही हुई है। 12 घाटों के आसपास डूबने से 18 लोगों की जान गई है। काशी में देश और दुनिया के कोने–कोने से श्रद्धालु और सैलानी आते हैं। गंगा में स्नान के दौरान असावधानी या अति उत्साह जीवन पर भारी पड़ जाता है। पुलिस के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर गंगा उस पार रेती की तरफ जाकर स्नान करने के दौरान इस साल अब तक पांच लोग जान गंवा चुके हैं। तुलसी घाट और मीर घाट पर तीन–तीन लोग डूबे हैं। इसी तरह हनुमान घाट और पंचगंगा घाट पर दो–दो लोगों की डूबने से जान गई है। इन घाटों के आसपास गंगा की गहराई ज्यादा है। पुलिस ने स्नान के दौरान खास सतर्कता बरतने की सलाह भी दी है। अस्सी पाट व वक्षराज घाट पर डूबने से एक–एक लोगों की मौत हुई है। इसी तरह पाट, लाट घाट, प्रहलाद घाट और राजपाट जानकी पाट, मानसरोवर घाट, चौसट्टी पर गंगा में डूबने से एक–एक लोगों की जान गई है। बता दें इन क्षेत्रों में ज्यादातर हादसे सेल्फी लेने या फिर नहाने के दौरान तैराकी की होड़ के चक्कर में भी हुए हैं।

2024 में 37 और 2023 में हुई थी 33 लोगों की मौत

इससे पहले वर्ष 2024 में 37 और वर्ष 2023 में 33 लोगों की मौत गंगा में डूबने के कारण हुई थी। वहीं, स्नान से संबंधित प्रमुख गंगा घाटों को छोड़ कर अन्य घाटों पर फ्लोटिंग बैरिकेडिंग नहीं लगाई गई है। इस कारण गंगा में स्नान करने वाले गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। वे गहरे पानी में चले जाते हैं। प्रमुख गंगा घाटों को छोड़ कर अन्य घाटों पर चेतावनी बोर्ड भी नहीं लगाए गए हैं।

टोटो चालक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

वाराणसी, संवाददाता। सोना तालाब स्थित एक किराए के मकान में टोटो चालक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली सूचना पर पहुंची पुलिस ने सबको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।आज सोमवार की दोपहर लगभग 11:30 पर पुराना पुल चौकी अंतर्गत सोना तालाब लालती देवी के मकान में कानपुर निवासी सोनू जायसवाल पुत्र राजेश जायसवाल उम्र 22 वर्ष किराए पर रहता था। इसी किराए के कमरे में उसने चौकड़ीया के सहारे चढ़ कर पंखे के हुक्क में रस्सी बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मकान मालकिन लालती देवी ने फांसी से झूलता देख स्थानी पुलिस को सूचना दी मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। एसीपी सारनाथ ने बताया कि युवक द्वारा आत्महत्या करने की सूचना मिली थी जो कानपुर का रहने वाला है उसके परिजनों को सूचित कर दिया गया है शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है, साथ ही आत्महत्या के कारण को भी खोजा जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सेना में खिलाड़ियों के लिए सीधी भर्ती का मौका

वाराणसी, संवाददाता। भारतीय सेना में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के पास सीधी भर्ती का मौका है। राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले ही खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। यह पारदर्शी और योग्यता–आधारित चयन प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य देश के प्रतिभाशाली एथलीटों को सेना में शामिल करना है। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून है। इच्छुक और पात्र खिलाड़ी सेना की आधिकारिक वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर आवेदन प्रक्रिया और अन्य विस्तृत जानकारी देख सकते हैं। इसकी भर्ती पुणे में होगी। उम्मीदवारों को शैक्षिक और खेल प्रमाणपत्रों के साथ आवेदन पत्र सेना खेल नियंत्रण बोर्ड के आधिकारिक पते पर जमा करना होगा। 1 अप्रैल 2023 या उसके बाद विभिन्न खेल आयोजनों और चौंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सीधे हवलदार और नायब सूबेदार के पदों पर भर्ती किया जाएगा। आयु सीमा 17.5 से 25 वर्ष निर्धारित है, जिसमें नामांकन की अंतिम तिथि पर उम्मीदवार की आयु 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। न्यूनतम शैक्षिक योग्यता मैट्रिकुलेशन है। चयन प्रक्रिया में शारीरिक और चिकित्सा मानक भी शामिल होंगे, जिनका निर्धारण सेवा मानदंडों के अनुसार किया जाएगा। भर्ती चिकित्सा अधिकारी और सशस्त्र बलों के विशेषज्ञ डॉक्टर ही उम्मीदवार को चिकित्सकीय रूप से फिट या अनफिट घोषित करने के लिए अंतिम अधिकारी होंगे।

निजामपुर में दो ट्रांसफार्मरों में विस्फोट, 9 घंटे बाद बदला गया

गोरखपुर, संवाददाता। बक्शीपुर उपकेंद्र क्षेत्र के निजामपुर चौक पर रविवार तड़के 4.30 बजे चौराहे पर लगे 630 केवीए व 400 केवीए के दो ट्रांसफॉर्मर धू–धूकर जल उठे। इससे लगभग 700 घरों की बिजली गुल हो गई। बिजली निगम के अधिकारियों ने बताया कि सुबह एक अनियंत्रित डंपर पोल और फिर ट्रांसफॉर्मर से टकरा गया। हादसे में डंपर सवार तो सुरक्षित बच गया, लेकिन टक्कर से ट्रांसफॉर्मर में विस्फोट के साथ आग लग गई। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने मशक्कत के बाद सुबह 10 बजे तक आग को काबू किया। पूरे दिन ट्रांसफॉर्मर को ठीक करने व नया तार लगाने का काम रास्ते को बाधित कर चलता रहा। रात 9.20 मिनट पर आपूर्ति बहाल हो सकी। वहीं, भीषण गर्मी में पूरे दिन लोग बिजली–पानी के लिए तरस गए। जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह तेज रफ्तार डंपर एक जानवर के अचानक आगे आने पर अनियंत्रित होकर पोल से टकराते हुए ट्रांसफॉर्मर में जा घुसा। हादसे से तेज आवाज के साथ ट्रांसफार्मर धू–धूकर जलने लगा। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और फिर दमकल विभाग को घटना की जानकारी दी गई। इसी बीच अवर अभियंता बक्शीपुर संदीप कुमार भी टीम के साथ पहुंच गए। आग बुझाने के लिए पहले ही इलाके की बिजली को काट दी गई थी। इसी दौरान पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग को काबू करना शुरू कर दिया।

मानबेला राप्तीनगर विस्तार के नागरिकों ने उपखंड पर किया हंगामा

गोरखपुर, संवाददाता। प्रधानमंत्री आवास योजना मानबेला राप्तीनगर विस्तार के आवासों में बिजली निगम की तरफ से रिचार्ज वाला मीटर लगाया गया था। इस मीटर से सभी लोगों को राहत थी। लेकिन, बीच में इस मीटर को हटाकर इसकी जगह दूसरा मीटर लगा दिया गया। इस मीटर के लगने के बाद अब बिजली का बिल अचानक से बढ़ गया। ये बिजली निगम और बाहरी संस्था की तरफ से मिलीभगत कर किया गया है। ये आरोप लगाते हुए मानबेला के लोगों ने उपखंड राप्तीनगर में सोमवार को प्रदर्शन किया। लोगों ने आरोप लगाया कि कुछ दिनों पहले किसी संस्था द्वारा या विभागीय मिलीभगत से आवास में जबरन, बहला – फुसला कर दूसरा मीटर लगा दिया गया। सोसाइटी के लगभग 1500 लोगों के घरों में इन मीटरों का लगाया जा चुका है। उनका आरोप है कि अचानक मीटर के तेज चलने की वजह से अधिक बिजली बिल और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना था कि किसी तरह छोटा–मोटा धंधा व्यापार कर सभी अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। ऐसे में अगर ऐसे मनमाने तरीके से बिजली बिल आएगा तो लोगों को उसके भुगतान करने में काफी परेशानी होगी। लोगों का कहना था कि जनहित को देखते हुए फिर से उन सभी आवासों में पुराना वाला मीटर ही लगवाया जाए। इसके लिए बिजली निगम चाहे तो कैंप लगाकर भी उनकी समस्या का समाधान कर सकता है। प्रदर्शन करने में मिथिलेश श्रीवास्तव, प्रेमपाती विश्वकर्मा, सन्तोष राजभर, रितेश सिंह, पप्पू जायसवाल, भीम कन्नौजिया, अमित श्रीवास्तव, रेनू पाण्डेय, कल्पना चौधरी, सुदर्शन सिंह, मुनिदेव राजभर, वसी अहमद, जैनुदीन, अजय शर्मा, आदित्य कुंडू, अजय कुमार, संगीता सिंह, निशु जायसवाल, नीलम श्रीवास्तव, विवेक समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस नेता के भतीजे की सड़क दुर्घटना में मौत

गोरखपुर, संवाददाता। मलांव निवासी शिवम पांडेय की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वो अपने परिवार के साथ नौनीतार घूमने जा रहे थे। इसी बीच शाहजहांपुर में सड़क हादसे में शिवम, दो वर्ष का बेटा माधवन और बहन की मौत हो गई। जबकि पत्नी शालिनी पांडेय गंभीर रूप से घायल हो गई, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। वहीं, कार में सवार अंगर और सिद्ध द्विवेदी भी सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। गोरखपुर एवं मुल रूप से बेलीपार थाना क्षेत्र के मलांव निवासी होटल शिवाय के मालिक और गोरखपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरदेंदु पांडेय का भतीजा शिवम पाण्डेय अपने परिवार समेत नैनीताल घूमने जा रहे थे। इसी बिच शाहजहांपुर के रोजा क्षेत्र के जमुका गांव के पास हाइवे किनारे मोरंग उतार रहे ट्रक में कार पीछे से टकरा गई। कार में सवार गोरखपुर के खोराबार क्षेत्र के मालवीय नगर निवासी डॉ नीरज द्विवेदी की पत्नी श्वेता द्विवेदी व मलांव निवासी शिवम पाण्डेय व उनके दो वर्षीय बेटे माधवन की मृत्यु हो गई। जबकि कार में सवार अंगद यादव, शिवम की पत्नी शालिनी पाण्डेय व भांजी सिद्ध द्विवेदी घायल हो गए।

गर्मी की छुट्टियों में आईआरसीटीसी के साथ घूम आइए दार्जिलिंग और गंगटोक

वाराणसी, संवाददाता। गर्मी की छुट्टियों में दार्जिलिंग और गंगटोक घूमने का सुनहरा अवसर आईआरसीटीसी लेकर आया है। पांच रात और छह दिन के इस टूर पैकेज के तहत यात्रियों को हवाई जहाज से सफर कराया जाएगा। हवाई टूर पैकेज 20 से 25 जून तक है। आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत सिन्हा ने बताया कि इस टूर में यात्रियों को लखनऊ से बागडोगरा आवाजाही की व्यवस्था फ्लाइट से की गई है। साथ ही खाने–पीने एवं ठहरने की व्यवस्था तीन सितारा होटल में की गई है। यात्रा के दौरान पाइन व्यू फ्लावर नर्सरी, गोल्फ कोर्स, डर्बिन धारा हिल्स, त्सोम्गो झील, बाबा हरभजन सिंह स्मारक, एनची मठ, हनुमान टोक, गणेश टोक, ताशी व्यू पॉइंट, पुष्प प्रदर्शनी शो, घूम मठ, बतासिया लूप, जापानी मंदिर, पीएन प्राणी उद्यान, तेनजिंग रॉक, चाय बागान आदि का भ्रमण कराया जाएगा। ठहरने पर पैकेज का मूल्य प्रति व्यक्ति 86300, दो व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर पैकेज का मूल्य प्रति व्यक्ति 66600, तीन व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर पैकेज का मूल्य प्रति व्यक्ति 62600, माता–पिता के साथ ठहरने पर प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 54700 बेड सहित एवं 51900 बिना बेड के होगा।

आईआईटी बीएचयू के नौ विभागों में बढ़ीं 111 सीटें, सबसे ज्यादा डिमांड में हैं विभाग

वाराणसी, संवाददाता। आईआईटी बीएचयू में दाखिला लेने वाले जेईई उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। सबसे ज्यादा डिमांड वाले नौ विभागों में 111 सीटें बढ़ाई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 22–22 सीटें कंप्यूटर साइंस और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बढ़ाई गई हैं। इसके लिए संस्थान चार विभागों की सीटें कम की हैं। आईआईटी बीएचयू में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए संस्थान में प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए कुल 1,589 सीटें उपलब्ध हैं।

लुटेरी दुल्हन गैंग ने तीन साल में की 50 लाख की ठगी

प्रयागराज, संवाददाता। शादी, रिश्तेदारी और भरोसे को हथियार बनाकर ठगी करने वाले लुटेरी दुल्हन गैंग के सदस्यों से पूछताछ के दौरान बेहद सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। पता चला है कि यह गिरोह पिछले तीन वर्षों से सक्रिय था और अब तक 30 से ज्यादा कुंवारे युवकों और उनके परिवारों को फर्जी शादी के जाल में फंसा कर करीब 50 लाख रुपये की ठगी कर चुका है। गिरफ्तार आरोपियों में शामिल श्रीराम गुर्जर इस गिरोह का अहम सदस्य है जो एक एजेंट के रूप में काम करता था। वह राजस्थान व अन्य राज्यों में घूमकर भोले–भाले युवकों को 'अच्छी लड़की' दिलाने का झांसा देता और गैंग तक लेकर आता। प्रत्येक फर्जी शादी के बदले उसे 20 से 25 हजार रुपये का कमीशन और सफर का खर्च मिलता था। उसकी खुद की शादी भी प्रयागराज में हुई थी, जिससे उसका यहां लगातार आना–जाना बना रहता था। सबसे बड़ी बात है कि वह इस गिरोह का अकेला एजेंट नहीं। उसके जैसे कई और एजेंट गिरोह ने बना रखे थे जो कमीशन लेकर फर्जी शादी करने के इस खेल में शामिल हैं।

दुल्हन का भाई खुद को बताने लगा प्रेमी, दूल्हे के उड़े होश

खुल्दाबाद में मामले के भंडाफोड़ के दौरान एक और बात सामने आई। गिरफ्तार लोगों में शामिल अमन उर्फ आसिफ शादी के वक्त खुद को दुल्हन का भाई बताता रहा और रस्मे भी निभाई। कुछ देर बाद जब परिवार दुल्हन को लेकर वापस जाने लगा तो पानी की टंकी ओवरब्रिज के नीचे रास्ते में जबरन कार रोक ली। इसके बाद दुल्हन को कार से उतारकर वह उसे अपनी प्रेमिका बताने लगा। यह सुनकर दूल्हे व उसके परिवारवालों के होश उड़ गए। उन्हें समझ ही नहीं आया कि यह हो क्या रहा है। बाद में दुल्हन समेत सभी के फरार होने पर उन्हें माजरा समझ आया। यह खुलासा खुद दूल्हे के पिता गोपाल गुर्जर ने पुलिस के सामने किया।

पुलिस की कार्रवाई तेज, अंतरराज्यीय कनेक्शन की जांच

खुल्दाबाद पुलिस ने अब इस गिरोह की जांच तेज कर दी है। गिरोह के सदस्यों के बैंक खातों, कॉल रिकॉर्ड और यात्रा विवरण भी खंगाले जा रहे हैं। आशंका इस बात की भी है कि गिरोह का जाल यूपी, राजस्थान के अलावा अन्य प्रदेशों में भी हो सकता है।

पिछले साल इसी गैंग ने नैनी में मुजफ्फरनगर के अमन सिंह को शिकार बनाया था। उससे भी शादी के नाम पर 1.4 लाख रुपये ऐंठे गए थे और बाद में लौटते वक्त रास्ते में मारपीट कर मोबाइल, लाखों के जेवर लूटने के बाद गिरोह के सदस्य दुल्हन को लेकर फरार हो गए थे। यह एक सुनियोजित ठग गिरोह है जो शादी के नाम पर फर्जीवाड़ा कर रहा था। गिरफ्तार सदस्यों में शामिल प्रीति पहले भी जेल जा चुकी है। गैंग के कनेक्शन को खंगाला जा रहा है।

अस्वीकृत पदों पर नियुक्ति के लिए राज्य जिम्मेदार, कर्मचारियों की सेवाओं पर प्रश्नचिन्ह ठीक नहीं

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि वैधानिक स्वीकृत पदों पर अस्थायी कर्मचारियों के नियमितीकरण के बाद उन्हें इस आधार पर सेवा से बाहर नहीं किया जा सकता कि उनकी मौलिक नियुक्ति अवैध थी। अस्वीकृत पदों पर नियुक्ति के लिए राज्य जिम्मेदार है कर्मचारी नहीं। वर्षों तक निरंतर सेवा के बाद उनकी नौकरी पर प्रश्नचिह्न लगाना ठीक नहीं है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति डॉ. योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए शिक्षक देवेंद्र सिंह और शिक्षक जुझार सिंह की विशेष अपील स्वीकार कर ली। हमीरपुर स्थित पीएनवी इंटर कॉलेज चिल्ली (मुस्करा) में जुझार सिंह को वर्ष 1987 और देवेंद्र सिंह को 1989 में अस्थायी तौर पर नियुक्त किया गया था। कुछ वर्षों बाद यह कहते हुए उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं कि जिन पदों पर उन्हें नियुक्त किया गया था, वे स्वीकृत नहीं थे। इसके खिलाफ दोनों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। कोर्ट ने अंतरिम आदेश से तत्काल प्रभाव से उनकी बर्खास्तगी पर रोक लगा दी और 2006 में उन्हें स्वीकृत पदों पर समायोजित कर लिया गया। लेकिन वर्ष–2010 में उनकी याचिका को एकल पीठ ने अंतिम रूप से खारिज कर दिया। इस आदेश के खिलाफ उन्होंने विशेष अपील के जरिए खंडपीठ का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए कहा कि अपीलकर्ताओं की सेवा को 2006 में वैध रिक्तियों पर समायोजित कर दिया गया था। ऐसे में उनकी नियुक्ति में शुरू में यदि कोई अनियमितता रही भी हो, तो उसे अब गलत नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि राज्य सरकार को कोई आपत्ति थी, तो उसे समय रहते कार्रवाई करनी चाहिए थी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला

कोर्ट ने मानसाराम बनाम एस. पी. पाठक, मद्रास एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड बनाम तमिलनाडु इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, और राधेश्याम यादव के मामलों में पारित सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला दिया। कहा कि वर्षों तक सेवा देने के बाद, अब नियुक्ति पर सवाल उठाना अन्यायपूर्ण है।

हाईकोर्ट की टिप्पणी...

कर्मचारियों की कोई व्यक्तिगत गलती नहीं थी। उन्हें बाद में स्वीकृत पदों पर समायोजित कर दिया गया था।

इतने वर्षों की निरंतर सेवा के बाद उनकी नौकरी पर प्रश्नचिह्न लगाना उचित नहीं है। राज्य सरकार की लापरवाही का खामियाजा कर्मचारियों को नहीं भुगतना चाहिए। एक बार नियमित होने के बाद, पिछली तकनीकी खामियों को भुला देना ही न्यायसंगत है।

हाईकोर्ट के निकट फ्लाईओवर के नीचे चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

प्रयागराज, संवाददाता। हाइकोर्ट के पास पुल के नीचे रविवार की आधी रात नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान न सिर्फ आसपास की दुकानें हटाई गईं, बल्कि पुल के नीचे रखे कुर्सी और टेबल भी निगम की टीम साथ ले गई। कार्रवाई के दौरान कैंट, सिविल लाइंस समेत कई थानों की पुलिस मौके पर मौजूद रही। आरोप है कि रोड पर अतिक्रमण कर कुर्सी–मेज रखे गए थे, जिससे दिनभर जाम की समस्या बनी रहती थी। रात करीब पौने 12 बजे नगर निगम की टीम पुलिस बल के साथ हाईकोर्ट पुल के पास पहुंची। इस दौरान हाईकोर्ट पानी टंकी से लेकर पुल के नीचे तक लगीं कुर्सियों को टीम ने जेसीबी से एकत्रित किया गया। इसके बाद ट्रैक्टर ट्रालियों में लाद लिया, जिसे नगर निगम परिसर ले जाया गया। मौके पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि नगर निगम की ओर से कार्रवाई की जा रही है। इस बारे में आदेश जारी किए गए हैं। वहीं, मौके पर मौजूद लोगों ने जब पूछा कि टेबल–कुर्सी क्यों हटाया जा रहा है तो उन्हें जवाब मिला कि उनके पास सीनियर अधिकारियों के आदेश हैं। इस दौरान एसीपी सिविल लाइंस, एसपी कैंट, थाना प्रभारी समेत 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहे। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात किया गया है। दूसरी ओर नगर निगम कर्मियों का कहना था कि उच्चाधिकारियों के आदेश पर ही अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम की कार्रवाई का अधिवक्ताओं ने विरोध किया। सोमवार को दिन में बड़ी संख्या में अधिवक्ता नगर निगम के कार्यालय पहुंचे नाराजगी जाहिर की। अधिकारियों से अधिवक्ताओं की तीखी नोकझोंक भी हुई।

काशी विश्वनाथ धाम में आए ढाई लाख श्रद्धालु, सड़क पर लगी सुगम दर्शन की कतार

वाराणसी, संवाददाता। कुंभ के पलट प्रवाह के तीन महीने बाद श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। रविवार को शयन आरती तक 2.5 लाख श्रद्धालु पहुंचे। भीड़ का दबाव ऐसा था कि घाट से लेकर गलियां तक जाम हो गईं। मंदिर क्षेत्र का कॉरिडोर भी भक्तों की भीड़ से भरा हुआ था। श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ने के कारण सुगम दर्शनार्थियों की कतार सड़क तक लग गई। रविवार को बाबा विश्वनाथ के धाम में मंगला आरती के पहले से ही श्रद्धालुओं की कतार लगी थी। मंदिर के अंदर बाबा विश्वनाथ की मंगला आरती चल रही थी तो वहीं दूसरी ओर मंदिर के बाहर कतारबद्ध श्रद्धालु हर–हर महादेव का जयघोष लगा रहे थे। मंगला आरती के बाद जैसे ही मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खुले तो जयघोष लगाते हुए श्रद्धालुओं ने धाम में प्रवेश किया। मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की कतार लंबी थी। दिन चढ़ने के साथ ही श्रद्धालुओं की कतार भी लंबी होती चली गई। दोपहर तक श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव ऐसा बढ़ा कि धाम में जाने वाली सारी गलियां श्रद्धालुओं के कारण जाम हो गईं। सुगम दर्शन का टिकट कटाने वाले श्रद्धालुओं को गेट नंबर चार से प्रवेश दिया जा रहा था। लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने के कारण सुगम दर्शन के टिकट वाले श्रद्धालुओं की कतार सड़क तक लगी हुई थी। कॉरिडोर भी श्रद्धालुओं से भरा हुआ था। दिन में गर्मी और भीड़ के कारण श्रद्धालुओं के साथ आए छोटे बच्चे बेहाल नजर आए। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि कुंभ के पलट प्रवाह के तीन महीने बाद श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। सुबह से शाम तक मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की डीएम ने किया समीक्षा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी द्वारा बैंको के प्रतिनिधियों से योजना की प्रगति की जानकारी ली गयी। योजनान्तर्गत अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई और बैंकों के प्रतिनिधियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता वाली योजनाओं में से एक है। समीक्षा के दौरान एचडीएफसी बैंक के द्वारा 63 आवेदन के सापेक्ष मात्र 4 आवेदकों को लोन स्वीकृत और 4 को ऋण वितरित किये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिया गया कि शासकीय योजनाओ के क्रियान्वयन में रुचि ली जाए अन्यथा कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी के समक्ष आवेदक अमित कुमार के द्वारा प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि पंजाब नेशनल बैंक पॉलिटेक्निक चौराहा के द्वारा उनका ऋण स्वीकृत हो जाने के उपरांत भी खाते में पैसा नहीं आया है और बैंक में जानकारी प्राप्त करने पर बताया जा रहा है कि उनका बैंक खाता बंद कर दिया गया है, प्रकरण संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी के द्वारा तत्काल पंजाब नेशनल बैंक शाखा प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि शीघ्र अति शीघ्र प्रकरण का निस्तारण करते हुए उन्हें अवगत कराया जाए। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना में अधिक से अधिक आवेदन कराया जाए, जिससे युवा स्वयं का उद्यम शुरु कर आत्मनिर्भर बन सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, एलडीएम, प्रबंधक गौरव कुमार सहित बैंक के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा विकासखंड बदलापुर के देहुरा गांव में जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि निर्माण कार्य अभी चल रहा है, कार्यदाई संस्था एफकॉन के द्वारा अवगत कराया गया कि कनेक्शन का कार्य हो रहा है, पाइप लाइन को जोड़ने का कार्य अभी अवशेष है, 650 के सापेक्ष लगभग 355 लाभार्थियों को नल का कनेक्शन देने का कार्य किया गया है। जिलाधिकारी के द्वारा ग्राम प्रधान से पाइप लाइन कनेक्शन, पानी की सप्लाई, परियोजना के प्रगति आदि के सन्दर्भ में फीडबैक भी लिया गया और कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया गया कि प्राइमरी स्कूल सहित सभी सरकारी भवनों में कनेक्शन अनिवार्य रूप से कर दिया जाए।

उन्होंने कहा कि यह योजना शासन तथा मा0 प्रधानमंत्री जी की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है स्वच्छ पेयजल से लोग बीमार नही होंगे। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य अवशेष है, उन्हें माह जुलाई तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जाए और जो भी सड़के खोदी गई है, उसे शासन के निर्देशों के क्रम में मानक के अनुरुप रिस्टोरध् रिपेयर कर दिया जाए।

इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा सिगरामऊ बदलापुर स्थित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत स्थापित प्री–कास्ट यार्ड का भी निरीक्षण किया गया। जहां ओवर हेड टैंक की संरचना का निर्माण हो रहा था, इस दौरान पाया गया कि लगभग 98 ओवर हेड टैंक का निर्माण हो गया है तथा अवशेष पर कार्य हो रहा है, जो माह दिसम्बर तक पूर्ण होना प्रस्तावित है। जिलाधिकारी ने ओवर हेड टैंकों की क्षमता आदि के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए कार्यदायी संस्था एफकॉन के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि कार्य को गति दीजिए तथा जितने भी ओवर हेड टैंक की संरचना का निर्माण कार्य हो चुका है उन्हें निर्धारित साइट पर लगा दिया जाए।

इस दौरान कार्य स्थल पर जितने भी श्रमिक कार्य करते हुए पाये गये उनके श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन, बीमा आदि के सन्दर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया गया कि श्रमिको का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अन्तर्गत पंजीकरण भी कराया जाए। उन्होंने श्रमिको से संवाद भी किया। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन योजना अन्तर्गत व्यापक स्तर पर ओवर हेड टैंक का निर्माण कराया जा रहा है। कार्य को गति देने के निर्देश दिये गये है जिससे कार्य ससमय पूर्ण हो सके।

इस अवसर पर अधिशासी अभियंता जल निगम महेंद्र राम, उप जिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह, खंड विकास अधिकारी सहित कार्यदाई संस्था के प्रतिनिधि ग्राम प्रधान और ग्रामीण उपस्थित रहें।

पांच वर्षीय मासूम बच्ची के साथ गैर समुदाय के युवक ने किया दुराचार घर के बाहर खेल रही थी मासूम बच्ची

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सुरेरी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने एक पांच वर्षीय मासूम के साथ पड़ोस के ही गैर समुदाय के एक युवक ने नशे में धुत होकर उसके साथ दुराचार किया। दुराचार के दौरान जब मासूम रोने लगी तो चीख पुकार की आवाज सुनकर घर के पीछे खेत में काम कर रही उसकी मां घटनास्थल की तरफ दौड़ पड़ी और पहुंचते ही आरोपित युवक वहां से फरार हो गया। वही मां पांच वर्षीय मासूम के साथ दुराचार होने से स्तब्ध होकर जोर–जोर से चिल्लाने लगी आवाज सुनकर पास पड़ोस के लोग भी घटनास्थल पर जुट गए। पीड़ित मासूम की मां ने घटना की सूचना 112 नंबर की पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित युवक को खोज कर पकड़ लिया। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार दुराचार के पश्चात मासूम को काफी रक्तस्राव हो रहा था, हालांकि पुलिस पीड़ित मासूम और उसकी मां को भी आरोपित के साथ सुरेरी थाने ले गई। मासूम बच्चे की मां ने सुरेरी थाने पर पड़ोस के ही गैर समुदाय के युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए लिखित तहरीर दिया है। वही तहरीर के आधार पर पुलिस सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को पकड़ लिया गया है। मेडिकल कराने ले जाते समय आरोपी युवक भागने लगा जिससे उसके पैर में चोट लगी है उपचारा के लिया सीएचसी पर भर्ती कराया गया है। थानाध्यक्ष सुरेरी को आदेश दिया है जल्द ही इसमें ठोस कार्यवाही करते हुए आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल करे जिससे मुलजिम को कठोरतम सजा मिल सके।

'कलेक्ट्रेट परिसर में ज्येष्ठ मास के' 'बड़े मंगल पर हुआ भंडारे का आयोजन'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई'। ज्येष्ठ मास के अंतिम बड़े मंगल के सुअवसर पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर के कर्मचारियों की ओर से कलेक्ट्रेट परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का उद्घाटन माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन व मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने किया। पुरोहित ने मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से भंडारे का शुभारंभ कराया। अधिकारियों ने स्वयं अपने हाथों से भंडारे का प्रसाद वितरण किया। कलेक्ट्रेट परिसर के कर्मचारी अधिवक्तागण व बड़ी संख्या में आम जनता ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी विध्रा प्रियंका सिंह, अपर जिला अधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नाका में ज्येष्ठ के अंतिम बड़े मंगल के पावन अवसर पर भंडारे का आयोजन

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। नाका में ज्येष्ठ के अंतिम बड़े मंगल के पावन अवसर पर भंडारे का आयोजन लखनऊ व्यापार मण्डन के वरिष्ठ महामंत्री नाका परिक्षेत्र के अध्यक्ष पवन मनोचा ने किया पूजा अर्चना की शुरुवात राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी जी ,राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला सभा जूही सिंह लखनऊ व्यापार मंडल के चौयरमैंन राजेंद्र अग्रवाल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश तेजवानी,इंद्रजीत सिंह ,उपाध्यक्ष गुरजीत छाबड़ा ,कपिल अरोड़ा ,युवा महामंत्री सुमित गुप्ता,गणेश अग्रवाल ,निलेश अग्रवाल ,असित अग्रवाल ,कुलबीर सिंह ,कुश अरोड़ा एवं रूबल सिंह ने की भंडारे में सेवा का सौभाग्य प्राप्त किया भंडारे सामाजिक और व्यापारी प्रतिनिधियों ने बजरंगबली का आशीर्वाद लेकर प्रसाद ग्रहण किया।

आईटीआई में प्रवेश की तिथि बढ़ी अभ्यर्थी 22 जून तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ने बताया है कि जनपद में संचालित समस्त राजकीय/निजी एवं टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर, उसरावं, शाहगंज, बदलापुर, जौनपुर में प्रवेश सत्र–2025–26 में प्रवेश लेने हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 12 मई 2025 से प्रारम्भ हो चुकी है, जिसकी अन्तिम तिथि 05 जून 2025 थी किन्तु अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन प्रकिया को 22 जून 2025 तक बढ़ा दिया गया है, अर्ह एवं इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट ीजजचरूध्ध्ेबअजनच.पद पर जाकर 22 जून 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

रोजगार मेला का आयोजन 12 जून को

अयोध्या। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेंटर अयोध्या द्वारा 12 जून को प्रातः 10.00 बजे से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय,. परिसर, फतेहगंज, अयोध्या में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा।इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां प्रतिभाग करेंगी।ऐसे अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष एवं शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल, इंटर, स्नातक, आई.टी.आई., एवं डिप्लोमा है, प्रतिभाग कर सकते है। (रोजगार मेला आई0डी0–3353) पोर्टल पर पंजीकरण कराकर प्रतिभाग कर सकते है।

रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ उक्त दिनांक को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय,. परिसर, फतेहगंज, अयोध्या में उपस्थित हों, इस हेतु किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय आदि देय नहीं है। उक्त जानकारी सहायक निदेशक (सेवायोजन) देवव्रत कुमार ने दी।

बड़े मंगलवार पर रजत कालेज मटियारी में विशाल भंडारा आयोजित

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। रजत ग्रुप आफ कॉलेज लखनऊ की तरफ से रजत कॉलेज मटियारी चिनहट में बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।उक्त जानकारी देते हुए प्रबंध निदेशक पुष्पलता सिंह ने बताया कि इस अवसर पर छात्र–छात्राएं अभिभावक एवं क्षेत्रीय जनता के अलावा राजधानी के सैकड़ो लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।प्रसाद वितरण की व्यवस्था में पुष्पलता सिंह जी के साथ रजत ग्रुप आफ कॉलेजेज के सभी शाखाओं के शिक्षक/शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

डीएम ने फीता काटकर बीएसए कार्यालय मे बने सभाकक्ष का किया लोकार्पण

अयोध्या। मंगलवार को समग्र शिक्षा अभियान के तहत बीएसए कार्यालय के भवन का जीर्णोद्धार एवं नवनिर्मित एक सभाकक्ष का लोकार्पण डीएम टीकाराम फुंडे ने फीता काटकर किया। इस मौके पर डीएम टीकाराम फुंडे के कहा कि इस कार्यालय मे बैठक, विभागीय कार्यशाला आदि के लिए सभागार की काफी जरुरत थी।इसके अलावा ऑपरेशन कायाकल्प, विद्यालयों के 19 पैरामीटर्स पर संतृप्तीकरण व अन्य विभागीय कार्यशाला व बैठक के संबंध में नियमित बैठक किये जाने हेतु सभाकक्ष की आवश्यकता की बड़ी जरूरत थी।इस मौके पर डीएम श्री फुंडे के अलावा सीडीओ के के सिंह,सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक),संयुक्त शिक्षा निदेशक बीएसए संतोष कुमार राय एवं वित्त एवं लेखाधिकारी, (बेसिक शिक्षा) ने कार्यालय परिसर मे पौधरोपण किया। डीएम श्री फुंडे ने कार्यालय परिसर मे भंडारे का शुभारंभ किया।

भारत विकास परिषद के नए अध्यक्ष चुने गए सत्येन्द्र अग्रहरि, कोषाध्यक्ष गणेश शाहू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत विकास परिषद जौनपुर का 12वां दायित्व ग्रहण एवं आभार संध्या का आयोजन नगर के एक लॉन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर पुष्पांजलि के साथ की गई। दीप प्रज्जवलन के बाद श्रीमती श्वेता अग्रहरि एवं श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव के संयोजकत्व में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' गाकर लोगों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात नैना अग्रहरि ने भरतनाट्यम द्वारा सरस्वती वंदना कर माता सरस्वती का आह्वाहन किया। कार्यक्रम में नए दायित्वधिकारी का दायित्व ग्रहण प्रांत से आए वरिष्ठ दायित्व धारियो ने कराया . इसके पश्चात 2024 – 25 के सदस्यो का सम्मान एवं आभार कार्यक्रम किया गया। भारत विकास परिषद जौनपुर शाखा में नए अध्यक्ष के रूप में सतेन्द्रअग्रहरि, कोषाध्यक्ष के रूप में गणेश शाहू ,सचिव के रूप में संतोष अग्रहरि ने शपथ लिया। इसके पश्चात अध्यक्ष सतेन्द्र अग्रहरि ने गतिविधि संयोजक के रूप में अजय गुप्ता शरद साहू आशुतोष पाठक , प्रदीप जायसवाल एवं श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव को शपथ दिलाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आलोक यादव एमएस ऑर्थो एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो सुधांशु सिन्हा विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग, टीडी पीजी कॉलेज उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन ऋषि श्रीवास्तव ने किया कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

इंप्रूवमेंट परीक्षा के लिए 10 जून तक करें आवेदन, एक विषय में फेल छात्रों के लिए अंतिम मौका

लखनऊ, संवाददाता। यूपी बोर्ड हाईस्कूल इंप्रूवमेंट व कंपार्टमेंट और इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों के पास आवेदन का मौका सिर्फ दो दिनों तक है। 10 जून के बाद कोई आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे और तिथि भी नहीं बढ़ेगी। आवेदन के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद की आधिकारिक वेबसाइट नचउेच.मकन.पद पर जाना होगा। हाईस्कूल इंप्रूवमेंट के लिए एक विषय में फेल छात्र व कम्पार्टमेंट परीक्षा के लिए दो विषयों में फेल छात्र किसी एक विषय के लिए ही आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए परीक्षा शुल्क 256.50 रुपये जमा करना होगा।

12वीं के छात्र विषयवार इस तरह दे सकेंगे परीक्षा

इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए मानविकी, वैज्ञानिक एवं वाणिज्य वर्ग के परीक्षार्थी किसी एक विषय में, कृषि भाग एक और भाग दो में निर्धारित विषयों में से किसी एक के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा व्यावसायिक वर्ग के ट्रेड विषय के किसी एक प्रश्नपत्र में फेल परीक्षार्थी कंपार्टमेंट परीक्षा में शामिल होने के लिए पात्र माने जाएंगे। इसके लिए परीक्षा शुल्क 306 रुपये देना होगा।

आवेदन की प्रति भी जमा करना अनिवार्य

परीक्षा शुल्क को कोषागार में चालान के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा परिषद के मानक मद में जमा करना होगा। इसके बाद जमा शुल्क के चालान की मूल प्रति हाईस्कूल इम्प्रूवमेंट व कंपार्टमेंट परीक्षा व इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंट परीक्षा के ऑनलाइन भरे गए आवेदन की प्रति को लगाना होगा। इसके बाद आवेदन की निर्धारित अंतिम तिथि 10 जून से तीन दिनों के अंदर जमा करना होगा।

परीक्षार्थी इन बातों का रखें ध्यान

हाईस्कूल परीक्षा में इम्प्रूवमेंट व कंपार्टमेंट परीक्षा के लिखित व प्रयोगात्मक प्रोजेक्ट (आंतरिक मूल्यांकन) व इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंट परीक्षा के लिखित व प्रयोगात्मक दोनों भागों में अनुत्तीर्ण रहे परीक्षार्थियों को दोनों भागों की परीक्षा में शामिल होना होगा। साथ ही किसी विषय के दोनों में से किसी एक भाग में फेल व दूसरे भाग में पास परीक्षार्थी केवल फेल वाले भाग में शामिल हो सकते हैं। छात्र चाहें तो सहमति से दोनों भागों में शामिल हो सकते हैं।

अगले महीने से शुरू हो जाएगा ट्रॉमा–2 का काम

लखनऊ, संवाददाता। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में अगले महीने से ट्रॉमा सेंटर फेज–2 के निर्माण का काम शुरू हो जाएगा। केजीएमयू प्रशासन इसके शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री से समय ले रहा है। केजीएमयू का ट्रॉमा सेंटर वर्ष 2003 में शुरू हुआ था। इसके चार मंजिला भवन की क्षमता 466 बेड की है। लखनऊ ही नहीं यहां पूरे प्रदेश से गंभीर मरीज लाए जाते हैं। क्षमता के मुकाबले ज्यादा मरीज आने से रोजाना 30 से 40 मरीज वापस किए जाते हैं। इसे देखते हुए एमएस कार्यालय और नर्सिंग भवन समेत कई जर्जर भवन गिराकर उनके स्थान पर नए भवन का काम शुरू होना है। इस पर करीब 296 करोड़ रुपये का खर्च प्रस्तावित है। नए भवन में पांच सौ बेड पर भर्ती की सुविधा होगी।

दो साल में पूरा होगा निर्माण

केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर का निर्माण अगले दो साल में पूरा होने की उम्मीद है। ऐसा होने पर मरीजों को काफी राहत मिलेगी। इस समय ट्रॉमा सेंटर पर दबाव काफी ज्यादा है। रोज यहां काफी मरीज स्ट्रेचर पर ही भर्ती किए जाते हैं।

रहेगी पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था

केजीएमयू में इस समय पार्किंग एक बड़ी समस्या है। नए भवन में इसका ध्यान रखा जाएगा। इस प्रस्तावित सात मंजिला ट्रॉमा सेंटर के बेसमेंट में पार्किंग की सुविधा भी रहेगी।

अलग–अलग भर्ती होंगे ट्रॉमा और इमरजेंसी मेडिसिन के मरीज

ट्रॉमा सेंटर फेज–2 के नए भवन में सड़क दुर्घटना वाले मरीजों को भर्ती किया जाएगा। जबकि पुराना भवन गंभीर रोगियों के लिए आरक्षित रहेगा। इस समय ट्रॉमा सेंटर में घायल और अन्य प्रकार के रोगी एक ही साथ भर्ती किए जा रहे हैं।

छह इंच की गहराई में बिछा रहे 11 हजार वोल्ट की भूमिगत केबल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में मोटे कमीशन के खेल के चक्कर में जिम्मेदार अफसर उपभोक्ता हितों के हो रहे विकास कार्य का मौका मुआयना नहीं कर रहे हैं। इसके कारण भूमिगत बिछने वाली लाइनों को मानक एक मीटर के विपरीत गहराई में बिछाया जा रहा है। सोमवार को ताजा मामला जानकीपुरम में उस समय उजागर हुआ, जब एक स्कूल ने प्रकरण को शिकायत के जरिये उजागर किया। यहां पर ठेकेदार एक मीटर की बजाय छह इंच गहराई में ही 11 हजार वोल्ट के करंट की केबल को बिछा रहा था। हालांकि, इस काम को रोक दिया गया है। जानकीपुरम सेक्टर 'आई' के शिव विहार की बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए 11 केवी के सिंगल स्रोत को डबल करने के लिए दूसरी लाइन का काम चल रहा था। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के सामने मात्र 6 इंच की खोदाई कर 11 केवी की अंडरग्राउंड लाइन बिछाई जा रही थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।